अध्याय – 10
विकास प्रशासन
(Development Administration)

विकास प्रशासन का अर्थ विकास से सम्बन्धित प्रशासन से लिया जाता है । यह सरकार द्वारा योजनाबद्ध ढंगं से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में परिमाणात्मक एवं गुणात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रयास है। यह सरकार की प्रत्येक उस गतिविधि का नाम है, जिसमें जनकल्याण या राष्ट्रीय विकास निहित है। यह न केवल सामान्य / नियामकीय प्रशासन (Regulatory Administration) से जुडा है, वरन मानवीय जीवन के सभी पहलुओं तथा सामाजिक, आर्थिक आदि से भी सम्बन्धित है। विकास प्रशासन एक नवीन अवधारणा है जिसमें विकास से सम्बन्धित घटक शामिल है। सामान्य अथवा नियामकीय प्रशासन पारम्परिक प्रशासन को कहते है। पारम्परिक प्रशासन का मुख्य ध्येय सुरक्षा एवं कानून तथा व्यवस्था (Law and order) बनाए रखना होता है। जबकि विकास प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोक कल्याण है।

'विकास प्रशासन' शब्द का प्रयोग पहली बार एक भारतीय अध्येता यू. एल. गोस्वामी ने 1955 में छपे अपने लेख 'दि स्ट्रक्चर ऑफ डेवलेपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडिया' में किया था। लेकिन अमेरिकी विद्वान जॉर्ज गैंट को विकास प्रशासन का पिता माना जाता है। उन्होंने भी इसी काल में इस शब्द का प्रयोग शुरू किया। उनकी पुस्तक **''डेवलपमैंट एडमिनिस्ट्रेशनः कॉन्सेप्टस् ,गोल्स एडं मैथड्स्''** पहली बार 1979 में प्रकाशित हुई। एडवर्ड वीडनर विकास प्रशासन के सबसे बडे भाष्यकार है। वे विकास प्रशासन की परिभाषा की पहली बार अवधारणात्मक रूप में व्यवस्था करने वाले व्यक्ति भी है।

उद्भव (Emergence) :

1950 और 1960 के दशक में विकास प्रशासन लोक प्रशासन के एक उप क्षेत्र के रूप में उभरा । जिन कारकों ने इसमें योगदान किया वे हैं :

1. पारपरिक लोक प्रशासन द्वारा प्रशासन के अध्ययन पर ज्यादा और प्रशासन के लक्ष्यों के अध्ययन पर जोर कम देना।
2. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद की समाप्ति के साथ एशिया, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका में नव स्वाधीन विकासशील देशों का उदय
3. बहुपक्षीय तकनीकी मदद और वित्तीय सहायता द्वारा विकासशील देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रायोजित विकास योजनाओं को सफल बनाने हेतु यहाँ के प्रशासन के अध्ययन पर जोर दिया गया ।
4. नवोदित विकासशील देशों तक अमेरिका आर्थिक और तकनीकी सहायता योजनाओं का विस्तार
5. अमेरिकन सोसाइटी फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के नेतृत्व में 1960 में कम्पेरिटिव एडमिनिस्ट्रेशन ग्रुप (CAG) की स्थापना।
6. विकासशील देशों में पश्चिमी प्रतिमानों की नाकामी के कारण, इन देशों की विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए स्वदेशी प्रशासनिक मॉडल की खोज करना।

तुलनात्मक लोक प्रशासन की भाँति विकास प्रशासन भी लोक प्रशासन के विकास का एक नया आयाम है। विकास प्रशासन एक गतिशील अवधारणा है, जो समाज में आर्थिक , सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए प्रयत्नशील है। इसमें विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है आज विश्व के देश विकास कार्यों को में लगे है, अतः उन कार्यों को सुधार रूप में लागू करने के लिए विकास प्रशासन की आवश्यकता है इसलिए आज लोक प्रशासन में विकास प्रशासन का महत्त्व तथा उपयोगिता स्पष्ट है।

विकास प्रशासन :

विकास प्रशासन शब्द आधुनिक समय में ही प्रयोग में आया है। सर्वप्रथम एडवर्ड डब्ल्यू.वीडनर ने विकास प्रशासन की अवधारणा का प्रतिपादन किया । बाद में प्रो.रिग्स,पालोम्बरा, वाटसन आदि विद्वानों ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विकास प्रशासन का विशेष महत्व विकासशील देशों के लिए है क्योंकि तीसरी दुनिया के देशों के समक्ष मुख्य कार्य तेजी से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास करना है। अतः विकास की इस अवधारणा ने परम्परागत प्रशासन को विकासात्मक प्रशासन की ओर उन्मुख कर दिया।

अर्थ : विकास प्रशासन की रचना का उद्देश्य यह अध्ययन करना है कि लोक प्रशासन सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न प्रकार से परिवर्तित भी होता है। इस विस्तृत परिप्रेक्ष्य में ''विकास प्रशासन'' शब्द की अनेक व्याख्याएँ की गयी है। विकास शब्द का कोषगत अर्थ उदेश्यमूलक है, क्योंकि इसका उल्लेख प्रायः उच्चतर,पूर्णतर और अधिकतर परिपक्वता स्थिति की ओर बढना है। ''विकास'' को मन की एक स्थिति तथा ''एक दिशा'' के रूप में भी देखा गया है। एक निश्चित लक्ष्य की अपेक्षा विकास एक विशिष्ट दिशा में परिवर्तन की गति है इसके अतिरिक्त विकास को परिवर्तन के उस पक्ष के रूप में देखा गया है, जो नियोजित तथा अभीष्ट है और शासकीय कार्यों से निर्देशित हो। ये विभिन्न व्याख्याएें बताती है कि विकास प्रशासन शब्द दो शब्दों के योग से बना है– विकास तथा प्रशासन।

विकास शब्द का अर्थ होता है निरन्तर आगे बढ़ना और प्रशासन का अर्थ है सेवा करना । विकास प्रशासन में जनता की सेवा के लिए विकास कार्यों को करना निहित है। लोक प्रशासन में विकास का तात्पर्य किसी सामाजिक संरचना का प्रगति की और बढ़ना हैं। इस प्रकार समाज में प्रगति की दिशा में जो भी परिवर्तन होता है। उन्हें विकास की संज्ञा दी जाती है। विकास एक निरन्तर गतिशील प्रक्रिया है।

विकास प्रशासन की विद्वानों द्वारा दी गयी कुछ परिभाषाएं निम्नलिखित है :

प्रो. ए. वीडनर के अनुसार, '' विकास प्रशासन राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए संगठन का मार्गदर्शन करता है। यह मुख्य रूप से एक कार्योन्मुख एवं लक्ष्योन्मुख प्रशासनिक प्रणाली पर जोर देता है।

प्रो.फ्रैंड रिग्ज़ ने इसके सम्बन्ध में कहा है कि '' विकास प्रशासन का सम्बन्ध विकास कार्यक्रमों के प्रशासन, बड़े संगठनों विशेषकर सरकार की प्रणालियों, विकास लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए नीतियों और योजनाओं को क्रियान्वित करने से है।

डोनाल्ड सी. स्टोन का कहना है कि ''विकास प्रशासन निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति के लिए संयुक्त प्रयास के रूप में सभी तत्त्वों और साधनों (मानवीय और भौतिक) का सम्मिश्रण है। इसका लक्ष्य निर्धारित समयक्रम के अन्तर्गत विकास के पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति है।

उपर्युक्त परिभाषाओं में भिन्नता के बावजूद भी यह देखने को मिलता है विकास प्रशासन लक्ष्योन्मुखी और कार्योन्मुखी है। परिभाषाओं के विश्लेषण के बाद विकास प्रशासन के सम्बन्ध में निम्नलिखित तत्व सामने आते है।

1. विकास प्रशासन निरन्तर आगे बढ़ने की एक गतिशील प्रक्रिया है।
2. निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए यह एक संयुक्त प्रयास है ।
3. यह तीसरी दुनिया के विकासशील देशों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने का महत्त्वपूर्ण साधन है।
4. यह पिछड़े समाज के परिवर्तन, आधुनिकीकरण, और विकास के लिए शासन तन्त्र है।

विशेषताएँ : विकास प्रशासन सरकार का कार्यात्मक पहलू है जो लक्ष्योन्मुखी होता है, बल्कि यह जनता के साथ कार्य करने वाला प्रशासन है। संक्षेप में, विकास प्रशाासन की निम्नलिखित विशेषताएँ है :

1. परिवर्तनशील : विकास प्रशासन का केन्द्र बिन्दु परिवर्तनशीलता है। यह परिवर्तन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक है। विकासशील देशों में प्रशासन को निरन्तर परिवर्तनों के दौर से गुजरना पड़ता है। इस प्रकार परिवर्तनशीलता विकास प्रशासन की बहुमूल्य पूँजी है जिसके सहारे वह सक्रिय बना रहता है।

2. विकासात्मक प्रकृति : विकास प्रशासन नवीन सुधारों तथा अभिनवकरणों पर निर्भर करता है। इसकी प्रकृति विकासात्मक कार्यक्रमों को लेकर चलने की होती है। इसका प्रमुख उदेद्श्य सामाजिक , आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से पिछड़े समाज का विकास करना है।

3. प्रजातान्त्रिक मूल्यों से सम्बन्धित : विकास प्रशासन जन आकांक्षाओं की पूर्ति के प्रति प्रयत्नशील रहता है। साथ ही विकास प्रशासन का प्रजातान्त्रिक मूल्यों से सम्बन्ध रहता है क्योंकि इसमें मानव अधिकारों और मूल्यों के तत्त्व निहित रहते है। चूंकि विकास प्रशासन का सम्बन्ध सरकारी प्रशासन द्वारा किये जाने वाले प्रयासों से है, और सरकारी प्रशासन जनकल्याण और प्रजातान्त्रिक मूल्यों से जुड़े सरकारी प्रयास जनकल्याण और प्रजातान्त्रिक मूल्यों से जुड़े रहते है, अतः विकास प्रशासन को प्रजातान्त्रिक मूल्यों से पृथक नहीं किया जा सकता।

4. आधुनिकीकरण : विकासशील देशों के विकास के लिए आधुनिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक हो गया है। साथ ही आज के आधुनिक उदेश्यों को प्राप्त करने हेतु विकास प्रशासन को अपने आपको ंयोग्य बनाना पड़ता है इसके लिए प्रशासनिक आधुनिकीकरण को विकास प्रशासन विकसित देशों से मापदण्ड और तकनीक प्राप्त करता है।

5. प्रशासनिक कुशलता : कुशलता प्रशासन की सफलता की शर्त है। विकास प्रशासन में प्रशासनिक कुशलता को इसलिए महत्त्व दिया जाता है। कि इसके अभाव में विकास के उदेश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करना सम्भव नहीं है। विकास प्रशासन इस बात के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहता है कि प्रशासनिक विकास के माध्यम से प्रशासन की कार्यकुशलता में वृद्धि की जाए।

6. आर्थिक विकास : आर्थिक विकास और विकास प्रशासन का परस्पर महत्वपूर्ण सम्बन्ध है प्रशासनिक विकास के लिए आर्थिक विकास भी आवश्यक है। विकासशील देशों की विभिन्न आर्थिक योजनाएँ एवं विकास सम्बन्धी कार्यक्रम विकास प्रशासन के सहयोग से ही लागू किये जाते है। विकास प्रशासन ऐसे प्रशासनिक संगठन की रचना करता है जो देश की आर्थिक प्रगति को सम्भव बनाता है तथा आर्थिक विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करता हैं राष्ट्र के विकास के लिए आर्थिक योजनाएँ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होती है। और इन्हें लागू करने में विकास प्रशासन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

7. परिणामोन्मुखी : विकास प्रशासन का परिणामोन्मुखी होना इसकी एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता है विकास प्रशासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह निर्धारित सीमा के अन्तर्गत कार्यों को सम्पन्न करें और परिणाम अच्छे हों अतः इसमें परिणाम को अधिक महत्व दिया जाता है।

8. प्रतिबद्धता : विकास प्रशासन को समाज के पिछड़े एवं वंचित वर्गो के कल्याण हेतु कटिबद्ध होना पड़ता है। इन व्यक्तियों तक प्रशासन के माध्यम से कल्याणकारी कार्यक्रम पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि नियंत्रणकर्त्ता एवं प्रशासकों की उन कार्यक्रमों तथा योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू करने के प्रति प्रतिबद्धता हो।

9. तात्कालिकता : विकासशील राष्ट्रों में लोक कल्याण हेतु प्रशासनिक निर्णय एवं नीतियाँ तात्कालिकता के आधार पर तय होती है। विकास प्रशासन द्वारा समय, स्थान तथा परिस्थिति का बहुत महत्व दिया जाता है। अतः आवश्यकता के अनुसार तत्काल निर्णय करना विकास प्रशासन हेतु अनिवार्य है।

10. जन सहभागिता : विकास कार्यों की सफलता हेतु विकास

कार्यक्रमों में आम जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है चूँकि ये कार्यक्रम जनता हेतु बनाए जाते है , अतः इनकी भागीदारी के अभाव में ये निष्फल हो जाते है। उदाहरण के लिए **मनरेगा** (महात्मा गांधी, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम) एवं **जनधन** (प्रधानमंत्री जनधन योजना का उद्देश्य देश में सभी व्यक्तियों के बैंक में खाते खुलवाकर वित्तीय समावेशन के लक्ष्य की प्राप्ति करना है) आदि राष्ट्रीय कार्यक्रमों में जनता की अच्छी सहभागिता रही। अतः इनके परिणाम भी सुखद रहे।

विकास प्रशासन बनाम परम्परागत प्रशासन (Development Administration Vs Traditional Administration) :

कुछ विद्वानों ने विकास प्रशासन को परम्परागत प्रशासन (गैर विकास) प्रशासन या सामान्य प्रशासन या नियामक प्रशासन से अलग रूप में अवधारणाबद्ध करने का प्रयास किया है। उनके अनुसार विकास प्रशासन भिन्नताओं से भरा लोक प्रशासन है। वे कहते है कि ये दोनों बेहद महत्वपूर्ण रूपों में एक दूसरे से भिन्न है। संक्षेप में इने भिन्नताओं को अग्रलिखित रूप में दर्शाया जा सकता है।

व्यवहार में पारम्परिक प्रशासन भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक कानून एवं व्यवस्था की स्थापना नहीं हो तब तक विकास करना असम्भव है। अतः इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि विकास प्रशासन और प्रारम्परिक प्रशासन एक दूसरे के पूरक हो। विलियम वुड तो विकास प्रशासन एवं पारम्परिक प्रशासन में कोई अन्तर ही नहीं मानते है। एक के अभाव में दूसरा भी कायम नहीं रह सकता इसलिए दोनों के बीच भेद करना अवास्तविक, अव्यावहारिक और अतिसरल होगा "विकास प्रशासन केवल विकासशील देशों के प्रशासन से सम्बद्ध है, यह सोच सिर्फ विकास प्रशासन की अवधारणा की उपयोगिता और विकासशील देशों के तुलनात्मक विश्लेषण में इसकी उपयोगिता को कम करती है। विकास प्रशासन की आवश्यकता प्रत्येक प्रकार की अर्थव्यवस्था एवं शासन व्यवस्था में रहती है। चूँकी विकास की कोई सीमा नहीं होती तथा विकास की सम्भावनाएं सदैव बनी रहती है अतः विकास प्रशासन भी सदैव बना रहता है।

निष्कर्ष :

विकास प्रशासन सरकार के वैकासिक कार्यों, कार्यक्रमों, योजना तथा परियोजनाओं पर जोर देता है, जिससे आज प्रत्येक शासन व्यवस्था के लिए यह अपरिहार्य हो गया है। विकास प्रशासन विकास के लिए प्रशासन का निर्माण है। भारत में स्वतन्त्रता से पूर्व विकास प्रशासन नहीं था। यही कारण है कि

विकास प्रशासन	प्रशासनिक प्रशासन
1. यह परिवर्तन निर्देशित है।	1. यह यथास्थिति निर्देशित है।
2. यह गतिशील और लचीला है।	2. यह पदसोपान क्रम वाला और कठोर है।
3. यह लक्ष्य प्राप्ति की प्रभाविता पर जोर देता है।	3. यह मितव्ययता पर जोर देता है।
4. इसके उद्देश्य जटिल और अनेक है।	4. इसके उद्देश्य सरल है।
5. इसका सरोकार नई जिम्मेदारियों से है।	5. इसका सरोकार दैनिक सामान्य कार्यों से है।
6. यह विकेन्द्रीकरण में विश्वास रखता है।	6. यह केन्द्रीकरण में विश्वास रखता है।
7. यह योजना पर बहुत निर्भर करता है।	7. यह योजना पर उतना निर्भर नही करता है।
8. यह रचनात्मक और आविष्कारक है।	8. यह संगठन बदलाव का विरोध करता है
9. यह प्रशासन की जनवादी और सहभागिता पूर्ण पद्धति को लागू करता है।	9. यह प्रशासन की अधिकारिक और निर्देशात्मक पद्धति को लागू करता है।
10. इसके कामों का विस्तार क्षेत्र व्यापक है।	10. इसके कामों का विस्तार क्षेत्र सीमित है।
11. यह निश्चित समय में कार्यो को पूरा करता है।	11. यह पूर्णतः निर्देशित नहीं है।
12. यह बहिर्मुखी है।	12. यह अन्तर्मुखी है।

हमने आजादी के बाद पंचवर्षीय योजनाओं को विकास का माध्यम बनाया एवं विकास करने हेतु अनेक नई संस्थाओं, विभागों एवं नए प्रकार के अधिकारियों –कर्मचारियों को देश में बढावा दिया है। विकास प्रशासन ने विकास एवं देश की उन्नति में आने वाली समस्याओं एवं इनके निदान के आवश्यक उपायों का व्यापक विश्लेषण किया है। इसके पूर्व विकास एवं कल्याण सरकारी कार्य क्षेत्र में नहीं आते थे । अग्रलिखित बिन्दुओं से विकास प्रशासन की प्रासंगिकता एवं उपादेयता (महत्त्व) सिद्ध होती है :

1. विकास प्रशासन से लोक प्रशासन के सिद्धान्त (विषय के रूप में) एवं व्यवहार (प्रशासन का क्रियान्वयन पक्ष) के विकास में उल्लेखनीय परिवर्तन आए है। इससे लोक प्रशासन के क्षेत्र में लोकनीति, मानवाधिकार, सतत् विकास एवं समावेशी विकास आदि महत्वपूर्ण घटकों का प्रवेश हुआ है।
2. कार्यरत प्रशासकों एवं शिक्षाविदों के लिए इसका प्रत्यक्ष महत्त्व है। चूँकि ये ही विकास की समस्याओं एवं विकास प्रक्रिया द्वारा उत्पन समस्याओं में प्रत्यक्ष रूप से उलझे है।
3. विकास प्रशासन ने विकास के पश्चिमी प्रतिमान की अपर्याप्तताओं की ओर सफलतापूर्वक ध्यान आकृष्ट किया है जिससे विकास हेतु स्वजात (Indigenous) प्रयासों को बल एवं सफलता मिली है।
4. विकास प्रशासन के आधार पर ही आज विभिन्न विकासशील देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहे है। चीन तथा भारत की विकास दर आज 9 से 10 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है सभी ब्रिक्स देशों (यह ब्राजील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका का विकास हेतु बना संगठन है) में विकास प्रशासन ने महत्वपूर्ण कार्य किया है।
5. विकास प्रशासन के कारण अनेकानेक नई व्यवस्थाओं की शुरूआत हुई है। इससे लोक कल्याणकारी राज्य तथा भारत में संविधान के नीति निदेशक तत्वों को साकार करने में सफलता मिली है। इससे देश में प्रशासनिक तंत्र का सशक्तीकरण हुआ है। इससे नए प्रकार के सामाजिक मूल्य तथा परम्पराओं का विकास हुआ है साथ ही अनेक दबाव समूह एवं गैर सरकारी संगठनों (NGOs) को आगे बढ़ने का अवसर मिला है । इससे जनता में राजनीतिक चेतना एवं जनसहभागिता का प्रसार हुआ है।

व्यवहार में विकास के बिना अधिकार की व्यावहारिक व्याख्या संभव नहीं है। विकास प्रशासन में देश को सकारात्मक ढंग से बदलने की क्षमता है। अतः इसका महत्व बना रहेगा। विकास प्रशासन के साथ प्रशासनिक विकास का भी महत्व है। ये परस्पर पूरक है। **आगामी अध्याय में प्रशासनिक विकास के सम्बन्ध में चर्चा की गई है।**

महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

1. विकास प्रशासन मानव जीवन के प्रत्येक पहलू से जुड़ा हुआ है।
2. विकास प्रशासन का अर्थ विकास से सम्बन्धित प्रशासन से लिया जाता है।
3. सामान्य अथवा नियामकीय प्रशासन पारम्परिक प्रशासन होता है। इसका मुख्य लक्ष्य राज्य में कानून एवं व्याख्या बनाए रखना होता है।
4. विकास प्रशासन शब्द का प्रयोग प्रथम बार एक भारतीय यू.एल.गोस्वामी द्वारा 1955 में किया गया।
5. विकास प्रशासन का जनक जार्ज गैंट को माना जाता है।
6. विकास प्रशासन की सबसे विस्तार से व्याख्या एडवर्ड वीडनर ने की है।
7. 1950 तथा 1960 के दशक में विकास प्रशासन लोक प्रशासन के सहायक विकास कर रहे है। इन्हें अभी सामाजिक–आर्थिक–राजनीतिक विकास करना है।
8. विकास प्रशासन में विकास का अर्थ निरन्तर आगे बढ़ना तथा प्रशासन का अर्थ सेवा करना है।
9. वीडनर के अनुसार विकास प्रशासन राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक प्रगति के लिए संगठन का मार्गदर्शन करता है।
10. विकास प्रशासन परिवर्तनशील, विकासात्मक, नवाचारोन्मुख, प्रजातान्त्रिक, आधुनिक, परिणामोन्मुखी, प्रतिबद्ध एवं जन सहभागी होता है।
11. वर्तमान में ब्रिक्स देशों (BRICS) ने विकास प्रशासन के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है।

अभ्यासार्थ प्रश्न :

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. विकास प्रशासन शब्द का प्रथम बार प्रयोग किसने किया?
(अ) यू.एल.गोस्वामी (ब) विलियम वुड
(स) फैरल हैडी (द) महात्मा गाँधी।

2. विकास प्रशासन का जनक किसे कहते है ?
(अ) फैरल हैडी (ब) वीडनर
(स) जार्ज गैन्ट (द) फ्रेड रिग्ज

3. विकास प्रशासन की विस्तृत व्याख्या किसने की है ?
(अ) यू.एल.गोस्वामी (ब) फेयोल
(स) फ्रेड रिग्ज़ (द) वीडनर

4. विकास प्रशासन की विशेषता है।
(अ) परिवर्तनशील (ब) प्रजातांत्रिक
(स) आधुनिक (द) सभी

5. निम्नलिखित में कौनसी विकास प्रशासन की विशेषता नहीं है?
(अ) जन सहभागिता (ब) रचनात्मकता
(स) अंतर्मुखी (द) प्रतिबद्धता

6. विकास प्रशासन किन किन देशों में अपनाया जाता है ?
(अ) विकसित (ब) विकासशील
(स) अल्प विकसित (द) सभी।

7. पारम्परिक प्रशासन के लक्षण है।
(अ) यथा स्थिति निर्देशित (ब) कठोर
(स) केन्द्रीकृत (द) सभी

8. ब्रिक्स (BRICS) संगठन में कौनसाा देश शामिल नहीं है?
(अ) इण्डोनेशिया (ब) रूस
(स) चीन (द) भारत

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न :

1. भारत में विकास प्रशासन शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया ?
2. विकास प्रशासन की अवधारणाओं का विस्तृत ढंग से किसने विकास किया ?
3. विकास का अर्थ समझाइये।
4. विकास प्रशासन में प्रतिबद्धता से क्या अभिप्राय है ?
5. विकास प्रशासन की कोई दो विशेषता बताइये ।
6. विकास प्रशासन की परिभाषा दीजिए।
7. विकास प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य बताइये।
8. परम्परागत प्रशासन किसे कहते है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

1. विकास प्रशासन के उद्भव के कारण बताइये।
2. विकास प्रशासन का अर्थ तथा परिभाषा लिखिए।
3. पारम्परिक प्रशासन किसे कहते है ?
4. विकास प्रशासन एवं पारम्परिक प्रशासन में अन्तर बताइये।
5. विकास प्रशासन की किन्हीं पाँच विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
6. विकास प्रशासन की उपादेयता समझाइये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

1. विकास प्रशासन का अर्थ, परिभाषा एवं उद्भव बताइये।
2. विकास प्रशासन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. विकास प्रशासन एवं पारम्परिक प्रशासन के सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए।
4. विकास प्रशासन का महत्त्व (उपादेयता) समझाइये।

उत्तरमाला :

1. (अ)	2. (स)	3 (द)	4. (द)
5. (स)	6. (द)	7.(द)	8. (अ)